भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
22.07.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 770 का उत्तर

वरिष्ठ नागरिकों को रियायत

770. श्रीमत्ती फूलो देवी नेतमः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के मामलों की संख्या में कमी के बावजूद रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रियायत को फिर से बहाल नहीं करने के क्या कारण हैं;
(ख) क्या सरकार चुनिंदा वर्गों में यात्रियों को रियायतें देने का इरादा रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई आकलन किया है की रियायतों को बहाल न करने के कारण बहुत से वरिष्ठ नागरिक यात्री प्रभावित होंगे; और
(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि यह निर्णय वरिष्ठ नागरिकों की बचत को किस प्रकार प्रभावित करेगा और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): भारतीय रेल यात्री सेवाओं के लिए निम्न किराया संरचना के कारण वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी यात्रियों की औसतन यात्रा की लागत का 50% से अधिक पहले से ही वहन कर रही है। इसके अलावा, कोविड 19 के कारण पिछले दो वर्ष की यात्री आमदनी 2019-2020 की तुलना में कम है। इसका रेलवे की वित्तीय स्थिति पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है। रियायत देने की कीमत रेलवे पर बहुत भारी पड़ती है। इसलिए, वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी श्रेणियों के यात्रियों को रियायतें देने का दायरा बढ़ाना वांछनीय नहीं है। इन चुनौतियों के बावजूद, भारतीय रेल ने दिव्यांग व्यक्तियों की चार श्रेणियों, रोगियों और विद्यार्थियों की ग्यारह श्रेणियों के लिए किराए में रियायत जारी रखी है।

(ग) और (घ): रेलवे गरीब रथ, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, गतिमान, तेजस, हमसफर, मेल/एक्सप्रेस, साधारण पैसेंजर आदि जैसी विभिन्न प्रकार की रेल सेवाओं का परिचालन करती है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी यात्रियों के उपयोग के लिए विभिन्न किराया संरचनाओं पर 1एसी, 2एसी, 3एसी, एसी चेयर कार, शयनयान श्रेणी, द्वितीय श्रेणी आरक्षित/ अनारक्षित आदि जैसी विभिन्न श्रेणियां उपलब्ध हैं जिनमें यात्री अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा, 2019-20 के दौरान 22.62 लाख वरिष्ठ नागरिकों ने यात्री किराए में रियायत स्कीम को छोड़ने का विकल्प चुना था और बेहतर सुविधाओं के साथ रेलवे के सतत विकास के लिए रियायतें छोड़ दी थी।

*****

s.k